



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 080/934

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Manisha Dharve

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

28/08/23

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र

Centre Bhai Joga Singh
School, Delhi

Singh

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
<p>1 (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
<p>2 अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
<p>3 परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
<p>4 उत्तर अस्पष्ट अथवा मंद्दी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
<p>5 उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
<p>6 प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
<p>7 प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
<p>8 यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
<p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p>	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: **Three** Hours

अधिकतम अंक: 250

Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर्पोरेट गवर्नेंस कंपनी के शासन के नैतिक प्रबंधन के सिद्धांतों, आदर्शों व मूल्यों को शामिल करने से है।

उदा० राय कंपनी द्वारा शिक्षा पर CSR फंड का उपयोग

ESG को कॉर्पोरेट गवर्नेंस के साथ एकीकृत करने के महत्व:-

(1) कंपनी के मामलों से पर्यावरणीय प्रभावों की स्थिति जानकारी मिलेगी

उदा० रसायन उद्योगों द्वारा अपशिष्ट डंपिंग।

(2) समाज के बीच कंपनी के उत्पादों का प्रभाव स्पष्ट होगा

उदा० जान मकाल ~~उद्योग~~ उत्पादों के कंस की लमझा।

- (3) गवर्नेस पर हमारा जितने असह्यार, कम होगा, पारदर्शिता को बढ़ावा।
उदा० कंपनी द्वारा हितों को स्पष्ट करना

उम्मीदवारों को इस वॉशर में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

लक्ष्य

- (1) समाज :
 → उचित जानकारी मिलेगी
 → समाज हित में उत्पाद बनेंगे
 → उपभोक्ता अधिकारों को महत्व
 → गुणवत्ता को बढ़ावा
- (2) राज्य → राजस्व व कर की प्राप्ति
 → कोनी-कैपिटलिज्म कम होगी
 → पारदर्शिता व जवाबदेहिता बढ़ेगी
- (3) कंपनी → साज व विश्वास में वृद्धि
 → उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी
 → कार्य संस्कृति में सुधार।

अंततः गांधीजी के २५२ बातें पापी के से सब कुछ नैतिकता के आधार करना है
 अतः कंपनी कंपनियों के नारायण प्रतिनिधित्व की सिफारिशों पर भी हमारा देना चाहिए।

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस खण्ड में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

भ्रष्टाचार एक अनुर्यित लेन-देन की गतिविधि होती है जिसे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आपराधिक कृत्य माना गया है।

मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार के तर्क

(i) यदि आपूर्ति पक्ष रिश्वत नहीं देगा, तब मांग पक्ष किसी-सी रिश्वत नहीं मांगेगा

उदा० बिना टिकट के थ्रू रेल यात्रा करना तथा पकड़ जाने पर रिश्वत देना

(ii) जल्दी कार्य करवाने हेतु रिश्वत देना
उदा० प्रमाण-पत्र निर्माण हेतु रिश्वत देना

(iii) कार्यवाही करने हेतु या नहीं करने हेतु
 शिवत रेड 13410 पुलिस विभाग में
 रुककर ऐसी घटनाएं हो जाती हैं

उम्मीदवारों को
 इस शीट में
 नहीं लिखना
 चाहिए
 Candidates
 must not
 write on
 this margin

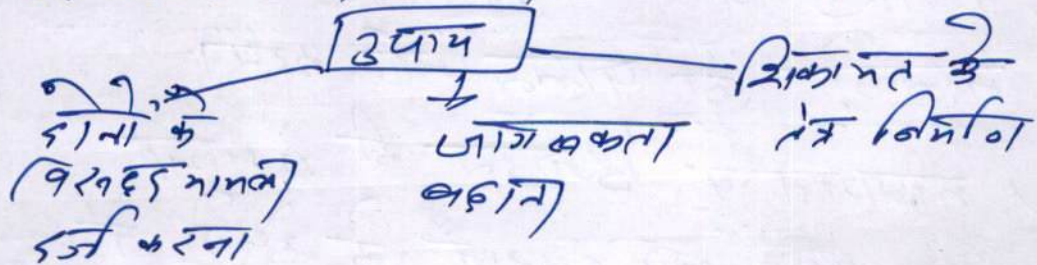
मुलायम निपटने वाली संस्थाओं के लक्ष्य
चुकोती :- (i) माँग पर तक उपरति

अधिकारियों न कार्यवाही की पहचान संभव
 होता थोड़ा लाल किंतु जनता में शिवत कम
 दे रहा यह ठूठा कहिल कार्य।

13410 राशन लेने, PDS में आनी

(ii) जनता द्वारा पकड़ने जाने पर अधिकारियों
 के विरुद्ध मामला आरोप दर्ज करवाने की
 उक्तिविधि 13410 ग्राहविंग लाइसेंस विधि के
 दोषान कहना की शिवत माँगकी
 गई थी।

(iii) दोनों पक्षों के शामिल होने पर मामला
 गोपनीय बना रहता।



कानून: जनता व शासन के दोनों के
 लक्ष्यो के ही मुलायम से बना जा लक्ष्य

www.visionias.in है तथा मुलायम पुस्तक कामकाज की
 विधिगि संभव हो पसुगा। 9

2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

नागरिक चार्टर एक घोषणापत्र है
जिल्ले' संगठन द्वारा प्रस्तुत सेवाओं का व
उत्पादों की गुणवत्ता, मात्रा, शुल्क इत्यादि
की जानकारी व समाधान क्षेत्र की उल्लेख
किया जाता है

उदा. PDS के लिए FPS के
बाहर नागरिक चार्टर

प्रमुख बाधाएँ

(1) नागरिक चार्टर की कम्प्लाइंस व
मानकों का पालन नहीं करना

(2) माघान्त व डिजाइन की समस्या
उदा. वही दरफरज के शेरा के
स्थानीय भाषा का प्रयोग नहीं करना

(3) शिकायत निवारण क्षेत्र का

उचित प्रावधान नहीं करना)

(4) सेवाओं की समयबद्धता, गुणवत्ता से गमनाता अथवा अत्यधिक शुल्क नसूनी।

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपाय

(1) निर्माण के समय

- +> व्यवहारिक मानक, गुणवत्ता का उल्लेख
- +> शिकायत तंत्र का प्रावधान
- +> स्थानीय भाषा का प्रयोग
- +> दो लोगों को शामिल करना

(2) लागू करत समय

- +> नागरिकों के लक्ष्यों में लागू करना
- +> ज़रूरी प्रावधान के लिए विस्तृत प्रयत्न करना)

(3) बाद के समय

- +> प्रगति का उल्लेख
- +> मंजूर करना
- +> नागरिक कीडबक लेना

* बहुत: द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने नागरिक चारों के संदर्भ में सिफारिशें की हैं उन पर विचार दिया जा सकता है।

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राज्य की ओर से अत्यंत कम शुल्क का या निः शुल्क खाद्यान्न, व अन्य उत्पादों का वितरण किया जाता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की अंतर्गत उपलब्धियाँ :-

- (i) PDS के तहत लगभग 75% गरीब जनसंख्या को अन्न वितरित किया जाता है।
- (ii) अन्ना दय योजना गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों को 35 क्ग/माह खाद्यान्न प्रदान करने का काम करती है।
- (iii) डुजलुरसा सुनिश्चित करने हेतु करोसिन स्तर का वितरण करना।

(iv) पोषक तत्वों को बतवता हेतु नमक विरग करे।

उम्मीदवारों को इस कश्चि में नही लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सीनारें

- (1) PDS प्रणाली में भंडारण व पसपात की घटनाएं देखी गई 13.10. बिहार के कुछ क्षेत्रों में जातिगत निर्भेद्यताओं के कारण खोद्याल नहीं देना।
- (2) अधिकतर जायदा समाज के सदस्य वगैरह (इतर) उद्या जाता है क्योंकि (नरकारी) प्रमाणपत्र व सोफिन तक उन्की पहुँच कायिब।

उपाय

- (1) PDS का क्षुती लागू मोडल अपनाना
- (2) one nation - one Ration को लागू किया जाना
- (3) महिला मुखिया के नाम राशन कार्ड जारी करना।
- (4) पोडर ऑफ सल मशीन, प्रयोग, PDS रेकिंग का पालन।
- भारत कल्याणकारी राश्ट्र के रूप में समाज के कमजोर वर्गों का कुमिकावक है हे कौन प्रयास जारी रखना चाहिए।

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस खण्ड में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपरोक्त विचार गांधीजी के
इंग्लिश के विचार के अनुरूप है

जहाँ व्यक्ति धन को साध्य नहीं मानकर
साध्य के रूप में उसका प्रयोग करता है

ये लिए वह विचार का शाब्दिक

- परोपकार को बढ़ावा देना जिससे समाज
के कमजोर लोगों की मदद हो सके और
उनके जीवन स्तर को बेहतर करना

[उदा.] बिल को गिराने व बफेरे मॉडल

जिसमें 50% ऑन गिविंग का भाव

- साम्य निर्माण व निश्चाय बढ़ाने का
कार्य करता है

[उदा.] सप्लाय कंपनी द्वारा तकनीकी
खानियों के कारण मोबाइल फोन वापस
बुलाकर रिपैरिंग पश्चात् दिलाने करना

- मालिक के रूप में नहीं बल्कि इसी के रूप में कार्य करना)

उदा० रत्न द्वारा दारा कंपनी के स्वयं को एक कर्मचारी मानना।

- बाजार निर्माण होता → क्योंकि उत्पादों की मांग बढ़ जाती है उदा० पुराष्ट्र आइल का एक रिजल बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है।

- नवाचार की बहावा मिलता →

उदा० रत्न मल्ल द्वारा किप्रीमाइनिंग के अपने उत्पाद की वापस लेने पर उनके शेयरों की कीमत बढ़ गयी।

संकेतः

उस प्रकार, बुद्धिमत्ता व्यक्ति को चरित्रवान भी होना चाहिए ताकि वह समाज के प्रति अपने नैतिक दायित्व का भी निर्वहन कर सके।

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"

- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस वॉशिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिकता के कारण नैतिक दृष्टि;
आदर्श, सिद्धांतों के पालन का उचित
या अनुचित की प्रतिक्रिया व कार्रवाई
करना [उदा०] भूखे बच्चे को खाना
खिलाना।

इस विचार का अभिप्राय :-

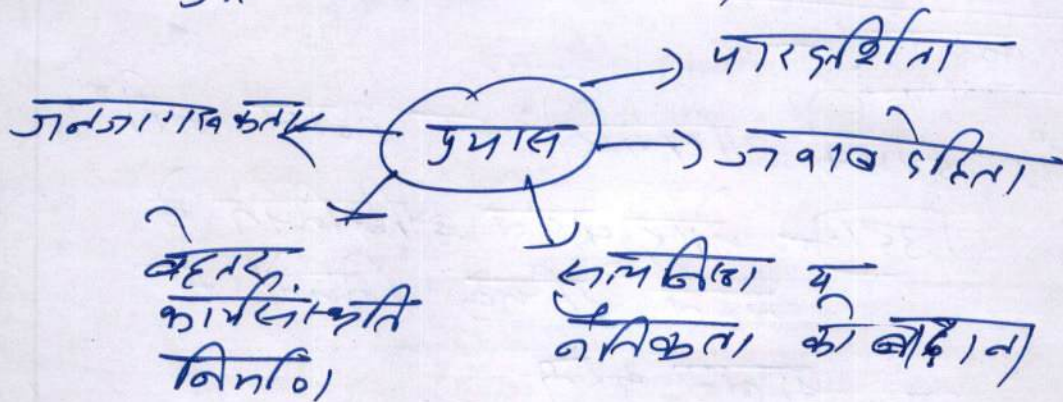
(1) संगठन में उच्च स्तर पर अनैतिकता
होगी तब निम्न स्तर पर भी लोगों
के बीच उचित माना जाएगा।

[उदा०] कलेक्टर कार्यालय में
कलेक्टर भुल रहे तब चतुर्थ वर्ग
कर्मचारी भी भुल रहे लगता।

(2) गैरपेशीयता की संस्कृति को जल देगा
[उदा०] योजनाओं, कार्यक्रमों की
जानकारी जनता तक नहीं पहुँचाना

(3) मुख्यचार से बढ़ावा
[इका] - लॉयड्स द्वारा NHAI
कोराले में उच्च अफसरों के नाम
उजागर किए तब उनकी हत्या कर दी
गयी।

(4) उच्च स्तर पर नीतिकता होने पर
निम्न स्तर पर नीतिकता का पालन होगा
है तथा अच्छी कार्य लक्ष्यता का निर्माण
होता [इका] अधिकारी जनता के मिलनसार
है तब कर्मचारी भी जनता के
प्रति संवेदनशील होंगे।



माना जाता है कि जितना बढ़ावा
उतनी ही अधिक जिम्मेदारी व नीतिकता
बढ़ती है इस संदर्भ में इस में भी लाल
बहादुर शास्त्री का वैयक्तिक देखा जा
सकता है।

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

10

कानून एक विधि होती है जो
लोगों को कामों को करने या नहीं करने
की रूढ़ि प्रदान करता है।

उदा० धरोहर दिना अधिनियम, 2005
के तहत धरोहर दिना अपराध है

स्वतंत्रता को समाप्त नहीं या सीमित नहीं
करता :-

(i) आपके अधिकारों का हनन नहीं
उदा० मोरारजी देसाय अधिनियम के
तहत ऐंजिके नियमों का
पालन करना

(ii) अविश्वस्य निर्बंधन के लय के
उदा० वाक स्वतंत्रता प्रदान करता
किंतु हर स्पीच के लिए
IPC, 1860 के तहत कार्यवाही।

अधिकार का संरक्षण व बढ़ाने में

(1) कार्यस्थल पर ध्यान इम्पीडन से मुक्ति
अधि. 2013 के तहत महिलाओं के
काम करने के अधिकार को उचित रूप
में लागू किया जाना

(2) आमाचार विचारों अधि. 1991 के
SC/ST के विरुद्ध अप्रत्यक्ष होने पर
सजा का प्रावधान उनके आमाचार से
संरक्षित करने व बढ़ाने का कार्य।

जॉन लॉक का महकयन
जॉन रॉल्स के सामाजिक ध्यापन के
रूप में है।

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

हाल ही में कई CEOs द्वारा अपनी
संपत्ति का कुछ भाग समाज के लिए
दान करने का वादा किया जा रहा है जिन्होंने परोपकार की
भावना को बढ़ाने का काम किया।

सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नीचे

- (i) कमजोर वित्त व जियोग्राफी की व
इच्छा रखने वाले।
- (ii) जाति, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं
में विकास हेतु सहयोग
- (iii) जनविज्ञान के अनुसंधान जीवनशैली विकास
में सहायक।
- (iv) जल व विद्युत व संचारणीय विकास
को बढ़ावा देना।
- (v) लोगों के बीच सकारात्मक धारणा
व देश जागरूक।

सीमाएं

- (1) केवल संपत्ति दान करने से समाज में व्यापक बदलाव नहीं संभव बल्कि क्षेत्र - विशिष्ट आवश्यकता के अनुसार ही वितीय व तकनीकी सहायता दे।
- (2) संपत्ति के दान को उल्लेखी नहीं कर के इसका प्रयोग समाज के बीच अपने लाख निष्ठा द्वारा काज निभाने करते
- (3) जीन वॉशिंग की दृष्टि से
- (4) भ्रातृक विकास के कार्य हो लक्ष्य।

आगे की राह

- (1) दान देने से पूर्व क्षेत्र - विशिष्ट आवश्यकता का मॉडल बनाना व योजना निभाने करनी
- (2) दृष्टी - शिप को बढ़ावा देना
- (3) समाज में कार्य 'बदलावा' से लेकर जीविक प्राप्त करना।

स्वाधीन विकास ने कहा, मैं हूँ
'नर ही नारायण हूँ'। दान परीपकार
की भावना सराहनीय है।

4. (b)

चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीन लर्निंग का एक प्रकार है जो मानव बुद्धि के समान कंप्यूटर में बुद्धिमत्ता होने से सीखने क्षमता को इंगित करता है।

उदा० गुगल पर राइप करने लगने की रिक्वायर्स के आधार पर काम

चिंताएँ

निष्पक्षता के संदर्भ में →

AI के डिजाइनिंग में एल्गोरिदम चूंकि कर्मचारियों के इंजीनियरों व सॉफ्टवेयर द्वारा Input किये जाते जो उनके प्रदर्शनों का भी शामिल करते

उदा० USA ने AI सॉफ्टवेयर को अमेरिकी लोगों के प्रति भेदभाव को धरना है

पारदर्शिता के संकेत हैं -

AI तकनीक का कुछ ही दिनों के
मालूम होना शुरू हो चुका है। इससे गोपनीयता
के सुरक्षित होने के प्रश्न बन रहे हैं।

उदा. - अजराहली कंपनी के बिलड

(कारोप)

नौकरी में सुरक्षा - WLF द्वारा कहा गया था

कि AI के कारण लोगों की नौकरियां जा
सकती हैं।

→ अन्य नौकरी के विकल्प बन

आगे की राह

(i) AI लगातार में डूबी हुई को कम
करना।

(ii) पारदर्शिता के अवधारणा तय करनी।

(iii) नौकरी में सुरक्षा हेतु वैकल्पिक
आपल, कौशल, ट्रिनिंग, हाथ-
मिलान प्रदान करना।

इन संकेतों में WLF का AI पर

Future का सफा उत्पल निर्देश ज्ञान
करता है।

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. (a)

शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्डिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती के विचार
वैदिक परंपरा और के प्रांतीय मूल्यों
व आधुनिक विचारों के बीच सामंजस्य
पर आधारित हैं

समकालीन भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक
विमर्श को प्रभावित करता है। —

(i) वेदों की ओर लौटने का नया धर्म की
शुद्धता को इंगित करता है तथा धार्मिक
पाखंड को खत्म करने हेतु प्रांतीय

→ भारतीय समाज के स्वर्णिम युग को
कम करने हेतु प्रांतीय

(ii) शिक्षा के आधुनिक विचारों के
विज्ञान, तकनीक के भी महत्व को -
दिली - वैदिक स्कूल निगम

→ शिक्षा नीति 2020 भी
प्रांतीय मूल्यों व वैज्ञानिक

लिहानों को शामिल करती]

(iii) भाषाओं को इंड को लगातार करना -

विभाषा मातृभाषा

(iv) व्यक्ति की धार्मिक, जातिगत, बंधन
में बनाम मानव के रूप में पहचान
करना (उदा.) - कार्य विरोध ^{समाज} लागू

(v) जीवन में लागू की महत्व देना

(उदा.) - पत्रिका के अनुकूल जीवन
शैली अपनाना)

स्वामी रामानंद सरस्वती 18-19 वीं
शताब्दी में जितने प्रांशिक हैं उतने ही
उन्के विचार आज भी प्रांशिक हैं

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

- (i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

लोक सेवा के प्रति समर्पण से आशय करने
भावना से कार्य करते हुए अपने लोक
सेवा व जन सेवा हेतु प्रतिबद्ध होना।
[उदा.] - इंसोक केनका का ^{IAS} टाईमर होने
पर भी लोक सेवा करने

- (ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

किसी के प्रति अपने सामाजिक मूल्यों,
आदर्शों के कारण कोई भी भेदभाव नुराज
नहीं रखना।
[उदा.] - जन कलेक्टर द्वारा मोर
उद्योग को बढ़ावा नहीं देने का फैसला
चुनने व संभाली विका' धीनत।

- (iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

वस्तुनिष्ठता निर्णय के संदर्भ में
विषय के पक्ष - विपक्ष की शायद व
साधकों व उचित तरीके के उपयोग
करते हुए।

[उदा.] - किसी नीलाग्री प्रक्रिया में
भाई-भतीजावाद नहीं करना।

उम्मीदवारों को
इस हार्डि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

असल में सहिष्णुता अन्य समाजों व
लोगों के मूल्य के प्रति सम्मान रखने
व उनका सही भाव प्रदर्शित करने के है
। उदा. - होली व बकरीद की छुट्टियों के
एक-दूसरे की शुभकामनाएं देना ।

- (v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

करुणा एक संवेदना होती है जो किसी
लोक सेवा के कर्मचारी में लोक सेवा को
उचित ढंग से व कर्मचारी के प्रति
सच्चा भावना रखने व उनके मदद
करने हेतु प्रेरित करती
। उदा. - खाद्यान्न विभाग के
बूढ़ी महिला को प्राथमिकता
देना ।

उम्मीदवारों को
इस शीट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता इतिमत्ता
जो हमारे के हानुमर (चने व
हानुमर) की भावनाओं के हानुमर
व प्रदर्शन करने से है,

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस भाग में नहीं लिखना चाहिए।
Candidates must not write on this margin

प्रस्तुत कस अध्ययन हालिया घटनाओं जिनमें
फेस रि-चेहरा की पहचान तकनीक द्वारा
गलत अथवा पूर्वाग्रह पहचान की गई थी, से
प्रभावित है।

हिटधारक

हिट

- ① नागरिक → उनकी गतिविधियों की निगरानी की जा रही
- ② कानून प्रवर्तन अधिकारिणी → निगरानी तंत्र की सुदृढता
- ③ तकनीक (चेहरा पहचान हेतु) → अनुपयोग
- ④ महिला → भ्रष्टाचार की घटना हुई मत न्याय चाहिए
- ⑤ निर्दोष व्यक्ति → अधिकारों का हनन
- ⑥ दोषी व्यक्ति → पकड़ा न जाना

4) शामिल मुद्दे :-

- 1] निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करना
- 2] अपराधियों की पहचान करना
- 3] लोगों की निजता का अधिकार (अनु० 21)
- 4] छुटपाट की घटनाएँ अतः भाय-चाहिए
- 5] तकनीक द्वारा गलत पहचान किया जाना → अर्थात् त्रुटिपूर्ण परिणाम
- 6] निर्दोष व्यक्ति की गिरफ्तारी से प्रतीक्षा कलंकित
- 7] बि बि निवास स्थान से बेखबर किया जाना अनु० 19 के तहत स्वतंत्रता का हिन
- 8] निर्दोष व्यक्ति पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल स्वास्थ्य संकट।
- 9] नौकरी की उत्पादकता प्रभावित
- 10] अधिकारियों द्वारा गलत कार्यवाही
- 11] जाँचोगामी की सीमाएँ

12) नकारात्मक प्रभावों को कम करने के उपाय

उम्मीदवारों को इस हशिफ में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1) चेहरा पहचान तकनीक के एल्गोरिथ्म को लगातार अपडेट करना तथा डिजाइनिंग को प्रबलित किया जा रहा है रहित बनाने की कोशिश करना।

2) केवल तकनीक जानकारी के आधार पर गिरफ्तारी से बचना तथा अन्य साक्ष्यों पर भी ध्यान देने पर काम नहीं करना।

3) 'Right to be forgotten' का अधिकार प्रदान करना जिससे निरीक्षकों को समस्याओं का सामना करना पड़े।

4) मनोवैज्ञानिक प्रभाव लोगों को प्रभावित करने है तथा मानसिक तनाव का कारण बनते हैं। उचित काउंसलिंग व्यवस्था करना।

5) वैयक्तिक मोडल को पढ़ाने पर भी ध्यान देना।

→ मोशन कंप्यूटर
→ फुटबॉल मैपिंग

16] जब तक आरोप सिद्ध न हो जाए आरोपी
को अपराधी नहीं मानना जिसके आत्मसम्मान
व प्रतिष्ठा बनी रही।

17] कानून प्रवर्तन अधिकारियों के उन्नत
प्रशिक्षण के उपाय व सीमाओं का
स्पष्ट परिचय प्रदान करना।

वक्त सन्दर्भ में गांधीजी का सिद्धान्त की
साध्य की प्राप्ति हेतु नैतिक जायज भी
आवश्यक है कि प्रशिक्षण है।

उम्मीदवारों को
इस कॉलम में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटरन के रूप में काम कर रहे थे। इंटरनशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरनशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
 - उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
 - उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
- (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

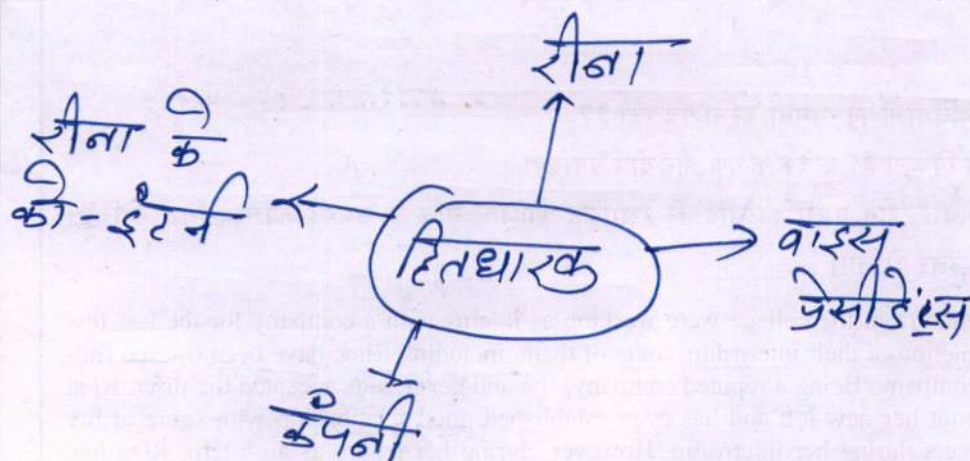
In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

20

उम्मीदवादी को
इस खसिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

उपरोक्त घटनाएँ असर नव नियुक्त महिलाओं को कार्यस्थल व इन्टरनल पर सामना करनी पड़ती है, जो चिंग का विषय होने के साथ ही कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत अपराध जैसी स्थिति है,



④ रीना की दुविधाएँ

① सहज तरीके से जॉब करना कठिन कार्यस्थल पर ठाले जाता

② वाइस प्रेसीडेंट्स के बिना कुछ शिकायत

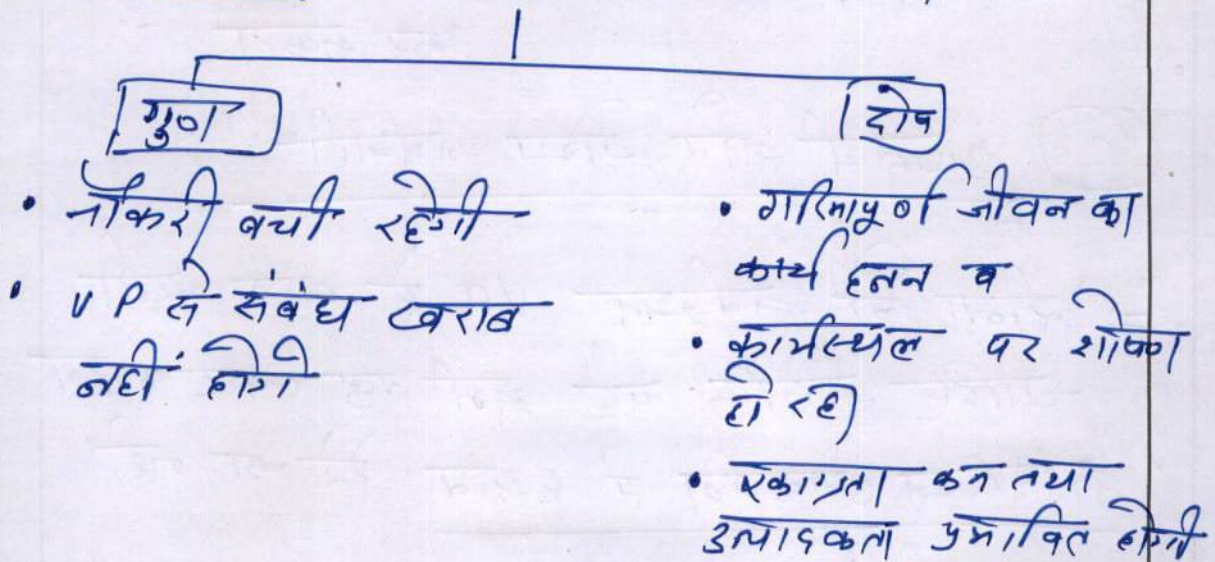
करना अथवा कुछ नहीं

(3) चुपचाप सब कुछ सहते जान अथवा
शिकायत करना

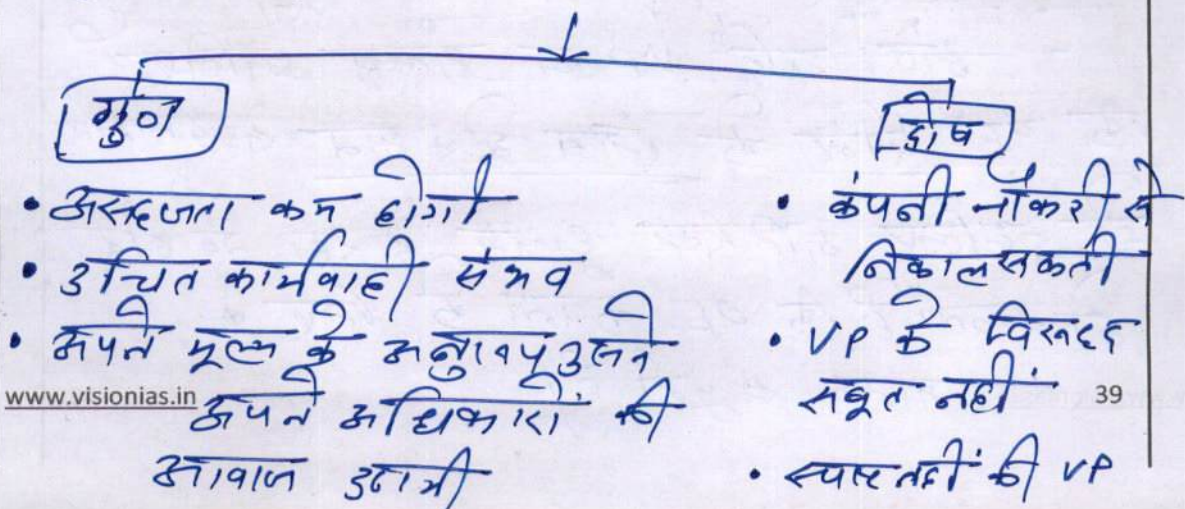
(4) जॉब छोड़ना बनाम नौकरी करना
(5) को-इंटरन की बातों पर दे हतोत्साहित होने
बनाम सामान्य से काम करना

(B) उपलब्ध विकल्प

विकल्प -1 : यथाशक्ति बनाए रखना



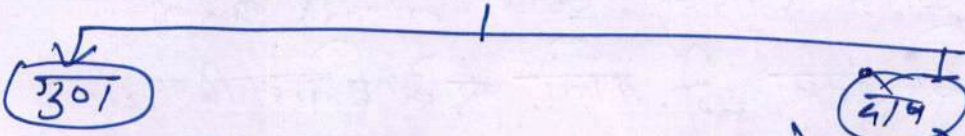
विकल्प 2 : कंपनी को शिकायत करना



उसके प्रति गलत धारणा
रखता है क्योंकि उसे
अनुचित नहीं किया।

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप ने
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

विकल्प 3: पहले VP से वक्त संबंध में बात
करना



- स्थिति की वास्तविकता
पता चल पाएगी
- वह अपनी उलझाव
का कारण व मंतव्य
जान पाएगी

- VP से उसके
संबंध खराब हो
सकते
- उसकी जॉब प्रगति
को VP प्रभावित
कर सकता

(C) अपेक्षायी जाने योग्य कार्यवाही

⇒ रीना को सर्वप्रथम VP से बात करनी
चाहिए क्योंकि वह अभी तक स्पष्ट कारण
अतिरिक्त आकर्षण व ध्यान देने का नहीं
जान पायी

अतः यदि VP का मंतव्य ^{रीना} इसलिए है
कि वह रीना के जॉब के कौशल से प्रभावित
है इसलिए अतिरिक्त ध्यान दे रहा है तब ठीक
हो सकता है कि वह कंपनी के लिए क
मानव संयुजी है।

अन्यथा अन्य मंत्रालय यदि (लिंग) आकृष्यी अथवा
प्राप्त संबंध का है तब वह IPC के तहत
अपराध हो सकता।

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि से
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

⇒ यदि VP का ~~मंत्रालय~~ द्वारा लैंगिक सत्यान की
है तो रीना को कंपनी प्रबंधन के शिक्षागत
करनी-चाहिए IT Act, 2008 के तहत

• ऑनलाइन पीछा करना भी दंडनीय
अपराध है।

वस्तुतः कार्यस्थल पर लैंगिक सत्यान
केवल अर्थव्यवस्था की दृष्टि से ही नहीं
बल्कि सामाजिक-आर्थिक नैतिकता हेतु भी
अनिवार्य है खेलाटे ने कहा भी है- महिलाओं
की अनुपस्थिति महिलाओं की शक्ति को कमजोर
है।

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

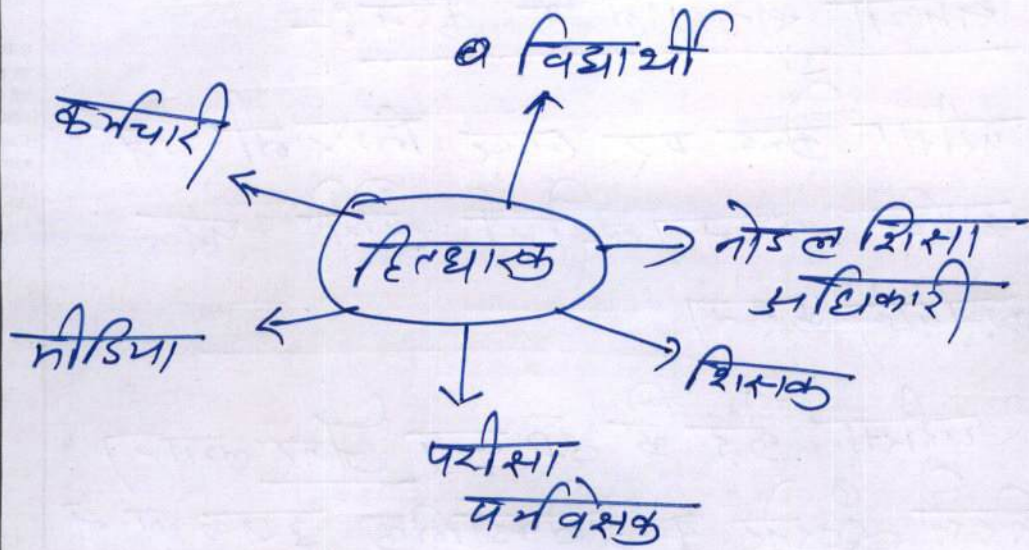
You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त में अद्यतन हाल ही
में माध्यमिक विद्यालय के अलग-अलग जिले की
मगवानपुरा तहसील में चले सामूहिक
नकल की घटना से प्रभावित है।



④ नैतिक मुद्दे :-

- (1) 'साप्टविक नकल की नियमित धरनाओं' का आयोजन
- (2) माता-पिता और शिक्षकों द्वारा नकल करवाने हेतु दीवार व इमारत फाँटना
- (3) स्कूल अधिकारियों व परीक्षा पर्यवेक्षकों की मिलीभगत
- (4) जो बच्चे इजाजत से परीक्षा देते हैं, पुनः परीक्षा देने से उन्हें अधिकार का हनन होना
- (5) गुणावतापूर्ण शिक्षा का अधिकार
(अनु० 21 A)

(B) समाप्ता समाधान के कदम:-

- (i) परीसा केंद्र पर स्पष्ट निगरानी तंत्र स्थापित करना कक्षा की लॉगी पर कार्यवाही करना
- (ii) परीसा केंद्र के ~~आ~~ पास जगर लगाया जिससे इंटरनेट व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण न चल सके (इंटरनेट शटडाउन करना)
उदा. राजस्थान सरकार द्वारा प्रयोग
- (iii) स्कूल अधिकारियों व परीसा परीक्षकों के पैकेट को पकड़ना व उनके विरुद्ध नियोजित कार्यवाही करना
- (iv) अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था ~~करना~~ ^{करना} जिससे परीसा आयोजन सफल रहे।

(C) दीर्घकालिक रणनीति :-

- (i) बच्चों की सुगवसापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था करना जिसमें नैतिक शिक्षा भी शामिल हो जिससे बच्चों को नकल नहीं करने व प्रसारण में शामिल न होने की सीख दी जाए।

M.P.U. कलाश्रम → संज्ञा को मुद्राचार पुस्तक
बनाने में तीन लोग महत्वपूर्ण भूमिका
निभालते हैं - शिक्षक, माता, पिता ।

उम्मीदवारों को
इस भाग में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(2) परीक्षाओं के दौरान अतिरिक्त कर्मचारियों
की नियुक्ति करना जिससे उचित
निगरानी बनी रहे ।

(3) ~~के~~ स्कूल परिसर के आल-पास भी
पत्रलिप्त पुलिस पुलिस निगरानी संचालित
करना ।

(4) पुनः परीक्षाएं आयोजित करने की वजह से
दोषी छात्रों पर कार्रवाई करना इसके
इलावा विद्यार्थियों को हतोत्साहित नहीं
करना ।

(5) स्कूल परिसर में CCTV कैमरा व अन्य
आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करना

(6) परीक्षा पर्यवेक्षक व शिक्षकों को परीक्षा-
संचालन हेतु पत्रलिप्त प्रशिक्षण प्रदान
करना ।

केंद्र: उपरिक्त कदम से स्कूलों
व शिक्षा की पवित्रता भी बनी रहेगी
और स्कूलों से चरित्रवान नागरिक की
विकास संभव होगा।

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- (a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- (b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

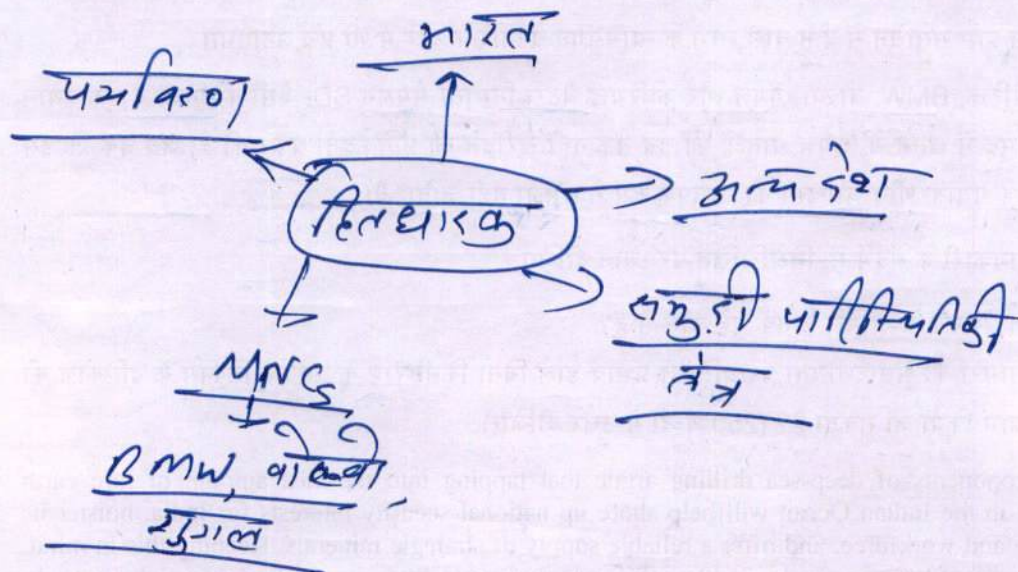
Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
 (b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस खण्ड में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

उपरोक्त केस अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय कीबेड
 आचारिणी द्वारा प्रस्तुत अनुमति के बाद भारत
 द्वारा की जा रही गहरे समुद्र खनिज के खनिके के
 संबंधित है।



क) नैतिक मुद्दे :-

- 1) पर्यावरणीय चिंताएं जैसे लघुद्वीपीय पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान होगा,
- 2) राष्ट्रीय सुरक्षा रिसोर्सों को बढ़ावा देगा

(3) कार्यविधियाँ और कार्रवाइ को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों की भरोसेमंद आपूर्तिकें संभव होगी।

(4) संयुक्त राज्य के संघातीय विकास लक्ष्य से लक्ष्य।

(5) कंपनियाँ इस गहरे समुद्र के उपलब्ध धातुओं को खरीदने से इंकार करना।

(6) जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में भी सहभाग होगा।

(13) महासागरों की संघातीयता और आर्थिक विकास की बीच संबंध बनाना :-

(1) गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के प्रभावों का पहले व्यापक अध्ययन करना तथा नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए योजना निर्माण का कार्य करना।

(2) पर्यावरण पर के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन, अध्ययन, समुद्री वनस्पतियों और

जीवों का पता लगाने और तापीय ऊर्जा की संभावना के लिए रेडॉर पैक बनाने

उम्मीदवारों को इस कॉलम में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) संतत विकास लक्ष्यों के अनुवाय ट्रिलिंग को सामायोजित करना।

(4) लामा सासाकरण करना तथा पर्यावरण जोखिम को ध्यान में रखकर लप में समझना।

(5) दुर्लभ संसाधनों के प्रयोग के इच्छी- फ़ैसली तकनीक का निर्माण करना जिससे - जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सके तथा कार्बन उत्सर्जन कम हो सके

संतत भारत को जहाँ लक्ष्यों के ट्रिलिंग को सही संघारणीयता के साथ सामंजस्य में संचालित करते हुए UNCLDS के प्रावधान का पालन करना चाहिए।

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)

20

केस
उपरोक्त विस्वास धार्मिक विश्वास,
विकास, प्रवर्ध और पर्यावरणीय मुद्दों
से प्रभावित है जिले विकास बनाम
पर्यावरण के साथ धर्म बनाम धार्मिक
प्रवर्ध की समस्या व सुनिश्चित मौजूद
है।

हितधारक

हित

सीवाई ऑर → धार्मिक विश्वास व
समुदाय काव्या (अनु. 25)

स्थानीय लोग → यात्रायात, शांत निवास
लया (अनु. 31)

जिला मजिस्ट्रेट → लांजाल्य बनाना

(A) लांजाल्य हेतु निम्नलिखित कडन 36 नम

(1) दोनो लघुदाय की चिंताओं व लको की
उचित महत्व देना

(2) वैकल्पिक वि विमणि मंडल का बनाना

(3) कुहर के महयन मर्ग का पालन

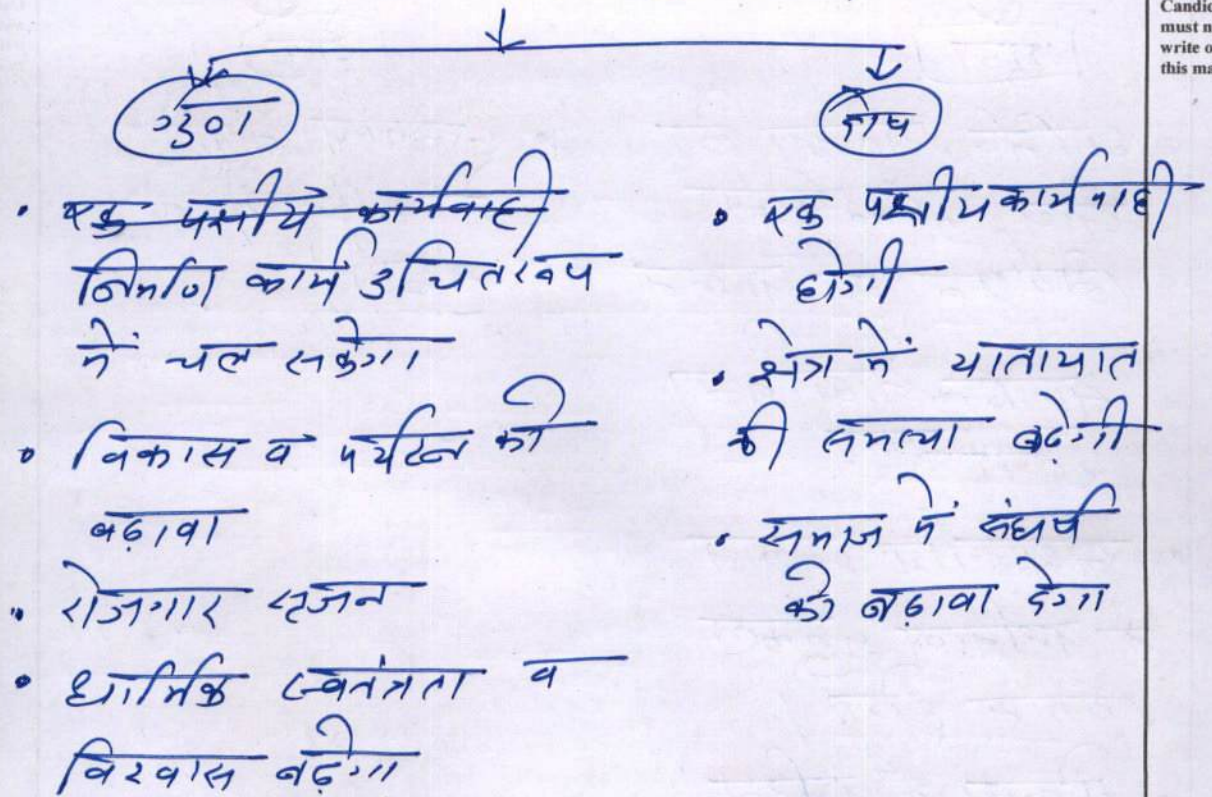
करते हुए बीच का रास्ता निकालना
जहां शांत माहौल बना रहे, यात्रायात

जवाब भी दुरल्ल हो लया

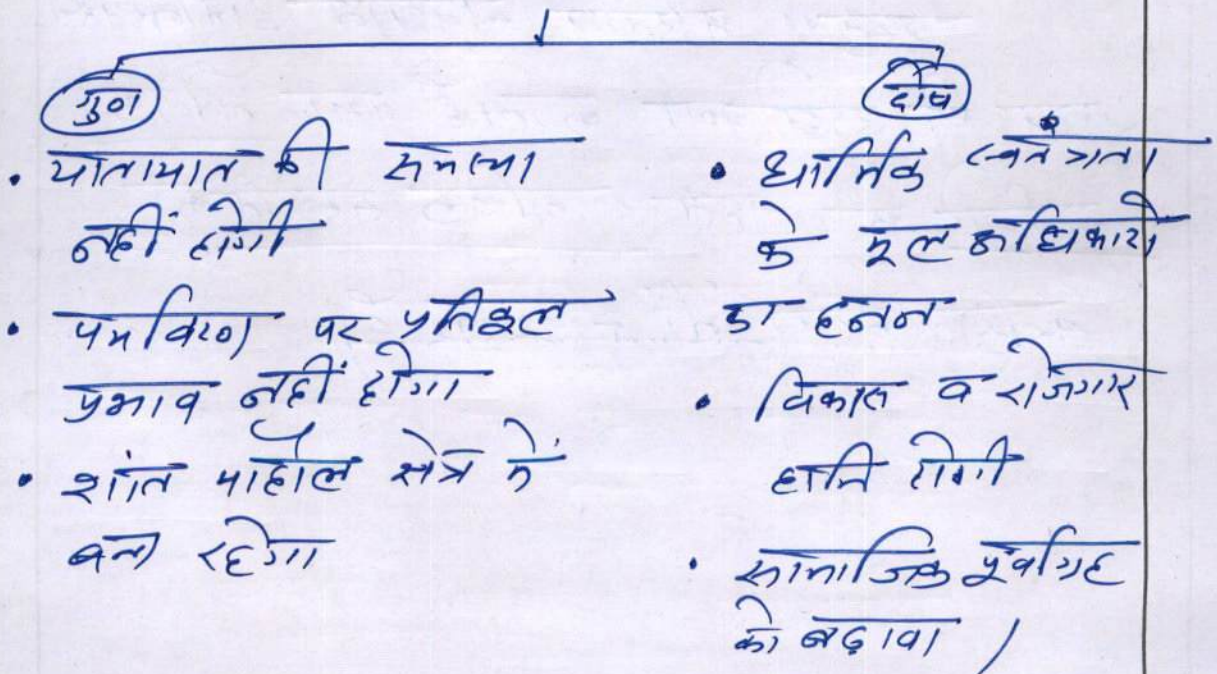
अवन विमणि भी हो लके /

⑧ विकल्प - 1 :- धार्मिक पूजा (चलवगाने) की अनुमति देग

उम्मीदवारों को इस हाथ में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin



विकल्प - 2 :- निवासियों की सहमति निगमि काम प्रविंदित करना



③ निरूप-3: डिजिटल क्षेत्रीय

गुण

- धार्मिक स्वतंत्रता के साथ भुक्ति मुक्ति निर्वहण का जालन
- सामाजिक लोहाई बना रहेगा
- संघारणीय विकास न पमनिरा अनुकूल विकास होगा।
- रोजगार व पर्यटन में संघारणीयता

दोष

- सामंजस्य बनाने में कठिनायी हो सकती।

वस्तुतः भारतीय संविधान धर्मनिरपेक्ष राज्य की उद्घोषणा करता है तथा नालिक कर्तव्या के लहत सामाजिक संस्कृति के संरक्षित करना भी आवश्यक है।

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्यवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

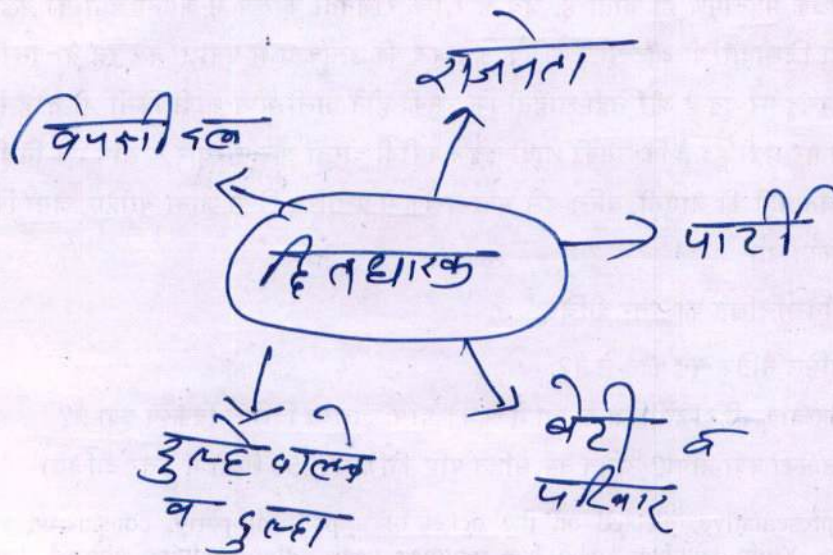
that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- What are the ethical issues in the above situation?
- What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

दी गयी कस रूटी राजनीतिक
जीवन में 'काजनेलाओं' द्वारा पारिवारिक
जिम्मेदारियों को राजनीतिक भूमिका के
बीच सामंजस्य बनाने की है



④ शांमल नैतिक मुद्दे :-

① बेटी की शादी का भव्य एगारोह
आयोजित करना ।

② राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की आति
बाधित हो सकती ।

(3) झगले निवचिन हेतु टिकट दिलेने की संभाषण नहीं होगी)

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) विपक्षी दल इस विषय का राजनीतिकरण आपके विरुद्ध गलत प्रचार कर सकते हैं।

(5) दुल्हे के परिवार वालों से संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

(17) उपलब्ध विकल्प →

(1) एक पिता के रूप में आपकी बेटी की शादी परंतु के व्यक्ति से भव्य रूप में आयोजित करना।

(2) महत्वकांक्षी राजनेता के रूप में बेटी की इच्छा पूरी नहीं करना तथा राजनीतिक जीवन को अधिक महत्व देकर झगले टिकट के लिए अवसर का लाभ उठाना।

(3) बेटी की शादी भी करवाना तथा राजनीतिक जीवन को भी महत्व देना।

(C) कांग्रेसी का तरीका निम्नलिखित होगा :-

उम्मीदवारों को इस वॉशिंग में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) बेटी की शादी पसंद के व्यक्ति के भव्य रूप में आयोजित करण क्योंकि यदि शादी इसलिये नहीं की जा रही कि लड़का दूसरे समुदाय से है तो यह दो समुदाय के बीच धृणा फैलाने की कृत्य माना जा सकता है जो जन अतिनि-
धित्य अधि० 1951 के तहत दंडनीय है।

यदि शादी करवायी जाती है तो पिता के रूप में उसे दायित्व भी धारित होगी और रही राजनीतिक जीवन की तो इससे अल्पकालिक रूप में उसे पारी रूपवा समुदाय से निराश होय लग सकती है।

किंतु मुझे कृत्य में अंतर है
नसकता है जो महामा गांधी के विचारों

के अनुप ई मतः जनता के बीच में
मेरी छावि के व चीत्र को लेकर
हुच्छी भावनाएं बनी रहेगी जो अंततः
राजनीतिक जीवन व महान मूल्य प्रहलक संसाधन
को बढ़ाने में लक्ष्य है।

मोर्गे के बीच में छावि युवगिह
मुझ नेता की नहीं रहेगी मतः मुझे वो
मिलने की संभावना बनी रहेगी।

वस्तुतः राजनेताओं के लप में हमारे
पास माल बहादुर शास्त्री, अलविहारी
वाजपेयी जैसे उदाहरण हैं जिन्होंने पारिवारिक
व राजनीतिक जीवन के बीच उचित
संतुलन बनाया था।

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

AL